1 झाँकी हिंदुस्तान की

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर- (क) उत्तर में भारत देश की रखवाली पर्वतराज हिमालय कर रहा है।
(ख) राजपूतों ने अपना सारा जीवन बरछी, तीर और कटारों पे काटा।
(ग) शिवाजी ने मुगलों की ताकत को तलवारों पर तोला था।
(घ) जलियाँवाला बाग में मरने वाले इंकलाब की बोलियाँ बोल रहे थे।

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) सागर का सम्राट
(ख) अंगारों पै
(ग) तूफान
(घ) पंजाब में

IV. रेखा खींचकर सही तुक मिलाओ-

उत्तर-

टोलियाँ	बोलियाँ	शोला	बोला
शान	आन	गोलियाँ	होलियाँ
घाट	ठाठ	हरियाला	ज्वाला
नारों	अंगारों	सम्राट	विराट
तलवारों	कटारों	अभिमान	बलिदान
कण	रण	डोला	तोला

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

उत्तर- (क) यह है अपना राजपुताना, नाज़ इसे तलवारों पै। इसने सारा जीवन काटा, बरछी, तीर, कटारों पै।
(ख) देखो मुल्क मराठों का यह, यहाँ शिवाजी डोला था। मुगलों की ताकत को जिसने तलवारों पै तोला था।
(ग) इस कविता में राजस्थान और महाराष्ट्र की झाँकी वीरता तथा बलिदान के रूप में उपस्थित की गई है।
(घ) कविता में बंगाल के विषय में यह बताया गया है कि बंगाल की भूमि सुभाष चन्द्र बोस की जन्मभूमि है।

II. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो-

उत्तर- (क) उत्तर में **रखवाली करता पर्वतराज** विराट है।
दक्षिण में चरणों को धोता सागर का सम्राट है।
(ख) जलियाँवाला बाग **यह देखो, यही चली थी** गोलियाँ।
यह मत पूछो **किसने खेली यहाँ खून की होलियाँ**।
(ग) यहाँ का बच्चा **बच्चा अपने देश पै मरने वाला** है।
ढाला है इसको **बिजली ने, भूचालों ने पाला** है।

III. निम्नलिखित शब्दों का वाक्य में प्रयोग करो–

उत्तर– शहर में आज माता की **झाँकी** निकलेगी।
माता का दरबार बहुत **निराला** है।
हमें अपने बच्चों पर **नाज** है।
मुट्ठी में तूफान बँधा है और प्राण में **ज्वाला** है।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

नसीहत

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) दो बहनें गुवाहाटी शहर में पान बाजार के पास रहती थीं।
(ख) फाज़बी खाना खाने में बहुत आनाकानी करती थी इसलिए उसे कभी कभी मम्मी से डाँट पड़ती थी।
(ग) बेमबेम पौष्टिक भोजन करती थी।
(घ) फाज़बी की कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत किया गया बीहू नृत्य सबसे अच्छा था
(ङ) फाज़बी को दादी की यह नसीहत याद आती रही– 'कुदरत की बनाई हर सब्जी, फल का स्वाद चखो, सेहत बनाओ। तभी तन और मन दोनों चुस्त रहेंगे'।
(च) इस कहानी के अनुसार हमें पौष्टिक भोजन करना चाहिए क्योंकि पौष्टिक भोजन करने से तन और मन दोनों स्वस्थ रहते हैं।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) जुड़वाँ (ख) बीहू (ग) फाज़बी की (घ) पौष्टिक

IV. एक शब्द में उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) चौथी (ख) बीहू (ग) दो घंटे (घ) पौष्टिक

V. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखो–

उत्तर– (क) वार्षिक (ख) जुड़वाँ (ग) सांस्कृतिक (घ) पौष्टिक

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) फाज़बी और बेमबेम दोनों जुड़वा बहनें थीं, वे गुवाहाटी शहर में पान बाज़ार के पास रहती थीं।
(ख) फाज़बी और बेमबेम दोनों की आदतें बिल्कुल अलग थीं।
(ग) समय पर न खाने तथा अपौष्टिक भोजन करने के कारण फाज़बी बीमार पड़ गई।
(घ) स्कूल में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखते समय फाज़बी सोच रही थी कि यदि आज वह स्वस्थ होती तो बड़े उत्साह से कार्यक्रम में हिस्सा लेती।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) फाज़बी और बेमबेम **जुड़वाँ** बहनें थीं।
(ख) फाज़बी को कभी–कभी मम्मी से **डाँट** पड़ती।
(ग) फाज़बी मन **मसोसकर** रह जाती।

(घ) सभी दर्शक **ज़ोर-ज़ोर** से तालियाँ बजा रहे थे।

(ङ) **पौष्टिक** भोजन करने से **तन** और **मन** दोंनों चुस्त रहते हैं।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

ईदगाह

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) तीस रोज़ों के बाद ईद आई है इसलिए गाँव में भारी चहल-पहल है।

(ख) हामिद ने मेले के सभी आकर्षणों को ठुकराकर अपनी दादी के लिए चिमटा खरीदा इससे उसका दादी के प्रति प्यार और चिंता का भाव प्रकट होता है।

(ग) हामिद का अपने प्रति प्यार और चिंता देखकर अमीना का क्रोध स्नेह में बदल गया।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) लड़के (ख) हामिद की दादी (ग) चिमटा

IV. भिन्न शब्द पर गोला बनाओ–

उत्तर– (क) **राधा**

(ख) **आदमी**

(ग) **सम्मान**

(घ) **मीठा**

V. निम्नलिखित मुहावरों के ठीक अर्थ चुनो और बताओ–

उत्तर–

(क) फूला न समाना	बहुत प्रसन्न होना
(ख) कलेजे पर साँप लोटना	किसी की सफलता से क्षुब्ध होना
(ग) धावा बोलना	टूट पड़ना
(घ) पैरों में पंख लगना	तेज चलना, दौड़कर जाना
(ङ) बाल-बाँका न कर सकना	कुछ न बिगाड़ सकना

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) ईद की खुशी में हामिद को फूला न समाते देख अमीना का मन रो उठता है।

(ख) बच्चे शहर में हैरानी से बड़ी-बड़ी इमारतें देखते हैं।

(ग) दुकानों में तरह-तरह के खिलौने हैं। सिपाही और गुजरिया, राजा और वकील, भिश्ती और धोबिन, साधु और सेठ सेठानी।

(घ) हामिद ने चिमटा इसलिए खरीदा क्योंकि रोटियाँ बनाते समय उसकी दादी की उँगलियाँ जल जाती थीं।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) गाँव में भारी **चहल-पहल** है।

(ख) हामिद की दादी अमीना बहुत **गरीब** है।

(ग) इस्लाम की निगाह में सब **बराबर** हैं।

(घ) अमीना का क्रोध **स्नेह** में बदल गया।

III. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखो-

उत्तर-

दुकान	—	**दुकानें**	कपड़े	—	**कपड़ा**
बगीचे	—	**बगीचा**	कुर्सी	—	**कुर्सियाँ**
उँगली	—	**उँगलियाँ**	तवे	—	**तवा**

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर- स्वयं कीजिए।

राजकुमार सिद्धार्थ

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर- (क) राजकुमार सिद्धार्थ राज उद्यान में टहल रहा था।

(ख) सिद्धार्थ दौड़ा-दौड़ा उसी जगह पर गया, जहाँ से आवाज आई थी।

(ग) सिद्धार्थ ने हंस की मरहम-पट्टी की।

(घ) सिद्धार्थ को लगता था कि वह कह रहा है, ''तुममें दया और ममता है। भगवान ऐसे ही लोगों को पसंद करते हैं।''

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) कपिलवस्तु के (ख) एक हंस की (ग) चचेरा भाई (घ) राजा से

IV. निम्नलिखित शब्दों के उचित विलोम शब्द पर सही (✓) का निशान लगाओ-

उत्तर-

मारना	—	**बचाना**	उठाना
हँसाना	—	रोना	**रुलाना**
जाना	—	**आना**	घूमना
बनाना	—	दिखाना	**बिगाड़ना**
उठाना	—	**बैठाना**	बैठना

V. किसने, किससे कहा?

उत्तर- (क) **देवदत्त** ने **सिद्धार्थ** से

(ख) **सिद्धार्थ** ने **देवदत्त** से

(ग) **राजा** ने **देवदत्त** से

VI. निम्नलिखित वर्गों के लिए दो-दो नाम और लिखिए-

मंगलवार	बुधवार
फरवरी	मार्च
चीकू	संतरा
मेरठ	आगरा
आलू	बैंगन
लालकिला	कुतुबमीनार

द्वितीय भागः रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) राजकुमार सिद्धार्थ यह सोचता था कि भगवान ने प्रकृति को कितना सुंदर बनाया है।

(ख) सिद्धार्थ को यह देखकर दुख हुआ कि एक हंस तीर से घायल हुआ पड़ा है, उसके शरीर से खून बह रहा है, वह सुंदर और उजला हंस दर्द से बुरी तरह तड़प रहा है।

(ग) देवदत्त ने राजा से कहा – ''महाराज मुझे न्याय चाहिए। मैंने इस हंस पर तीर चलाया इसलिए यह मेरा है। पर सिद्धार्थ इसको मुझे नहीं दे रहा है।

(घ) राजा ने कहा– मारने वाले से बचाने वाले का हक ज़्यादा होता है इसलिए यह हंस सिद्धार्थ के पास ही रहेगा।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) राजकुमार सिद्धार्थ इन्हीं **विचारों** में खोया था।

(ख) वह **सुंदर** और **उजला** हंस दर्द से बुरी तरह तड़प रहा था।

(ग) उसने प्यार से हंस को **गोद** में उठाया।

(घ) सिद्धार्थ की आँखों मे **अनोखी खुशी** की चमक थी।

(ङ) भगवान ऐसे ही लोगों को **पसंद** करते हैं।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓

IV. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– उद्यान — **राजउद्यान** में एक राजकुमार टहल रहा था।

प्रकृति — भगवान ने **प्रकृति** को कितना सुंदर बनाया है

उजला — वह सुंदर और **उजला** हंस दर्द से बुरी तरह तड़प रहा था।

अनोखी — सिद्धार्थ की आँखों में **अनोखी** खुशी की चमक थी।

ममता — तुम्हारे अन्दर दया और **ममता** है।

तृतीय भागः विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

5 प्रकृति का संदेश

अभ्यास

प्रथम भागः विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) निर्झर और सरिता मनुष्यों से निरन्तर चलने को कहते हैं।

(ख) धैर्यशील और महान बनने के लिए सागर कहता है।

(ग) अपने श्रम के फल–फूलों से भूतल को सजाना है।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓

IV. रेखा खींचकर समानार्थक शब्दों को मिलाओ–

उत्तर– निर्झर झरना, प्रपात

सरिता	नदी, तटिनी
धैर्य	धीरज, धीर
धरती	पृथ्वी, वसुधा

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-

उत्तर- (क) हो गतिमान का अर्थ है- निरन्तर चलते रहो।

(ख) हम इस धरती को अपने परिश्रम के फल और फूलों से सजा सकते हैं।

(ग) हम अपने परिश्रम के पसीने से धरती को स्वर्ग बनाएँगे।

(घ) इस कविता में निर्झर, सरिता, सागर, तारे, सूरज, पौधे आदि हमें परिश्रम करने की सीख देते हैं।

II. कविता की पंक्तियों को पूरा करो-

उत्तर- तारों का संदेश कि धरती
जगमग-जगमग कर दो
सूरज **कहता उगकर जग में, नई रोशनी भर दो।**
पौधे कहते **इस दुनिया में**
हरियाली सरसाना है।
अपने श्रम के फल-फूलों से
भूतल खूब सजाना है।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. ये हमारे लिए क्या-क्या करते हैं? सोचो और लिखो-

उत्तर-

हवा	**हवा** में हम साँस लेते हैं।
दीपक	**दीपक** हमें रोशनी देता है।
शिक्षक	**शिक्षक** हमे ज्ञान देते हैं।
माँ	**माँ** हमें प्यार और स्नेह देती है।

II. स्वयं कीजिए।

चालाक लोमड़ी

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर- (क) सभी जानवर रोमी लोमड़ी की चालाकियों से परेशान थे।

(ख) रोमी एक चालाक लोमड़ी थी।

(ग) राजा शेरसिंह ने दरबार में रोमी लोमड़ी को बुलवाया।

(घ) रोमी ने राजा को अन्नदाता इसलिए कहा क्योंकि शेर जंगल का राजा था और वह जंगल के सभी जानवरों का पालनकर्ता था।

(ङ) सभी जानवर लोमड़ी के दिमागी पेंच' कहने पर हँस रहे थे।

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) लोमड़ी (ख) तोते ने (ग) दो

(घ) चीताराम को (ङ) दिमागी पेंच

IV. भाववाचक संज्ञा बनाओ–

उत्तर–

परेशान	**परेशानी**	बुद्धिमान	**बुद्धिमानी**
चालाक	**चालाकी**	कुशल	**कुशलता**
सुंदर	**सुंदरता**	ऊँचा	**ऊँचाई**
चतुर	**चतुरता**	मूर्ख	**मूर्खता**
लंबा	**लंबाई**	देव	**देवत्व**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो–

उत्तर– (क) शेरसिंह रोमी की चालाकी को जानने व परखने के लिए उत्सुक हो उठे।

(ख) शेरसिंह ने कहा, हमने सुना है कि तुम बहुत चतुर हो। क्या यह बात सच है कि तुम किसी को भी अपनी बुद्धिमानी से चकमे में डाल सकती हो, बुद्धू बना सकती हो?

(ग) रोमी ने राजा को यह कहकर चकमा दिया कि मैं घर जाकर अपनी दूसरी अक्ल लेकर आती हूँ।

(घ) रोमी लोमड़ी जब लौटकर नहीं आई तो राजा शेरसिंह को क्रोध आ गया।

(ङ) रोमी ने दंड की बात सुनकर सफाई दी कि महाराज आप स्वयं देखना चाहते थे कि मैं कैसे दूसरे जानवरों को चकमा देती हूँ। बस यही दिखाने के लिए मैंने दूसरी अक्ल की बात की थी। वैसे किसी के पास भी दो तरह की अक्ल नहीं होती।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) रोमी लोमड़ी **राजा शेरसिंह** के सामने उपस्थित हुई।

(ख) मैं किसी को भी **चकमे** में नहीं डाल सकती।

(ग) मेरे पास एक तो **सामान्य बुद्धि** है, जिससे मैं अपना जीवन-यापन करती हूँ।

(घ) रोमी लोमड़ी के कथन पर सभी **जानवरों** को बड़ा आश्चर्य हुआ।

(ङ) उस **धूर्त** लोमड़ी को मेरे पास लाया जाए।

III. वाक्य बनाकर अंतर स्पष्ट करो–

उत्तर–

(क) ओर	तालाब के चारों **ओर** पेड़ थे।
और	राम, श्याम **और** सुन्दर मेला देखने गए।
(ख) घुस	कमरे में एक चूहा **घुस** गया।
घूस	वह **घूस** लेते हुए पकड़ा गया।
(ग) पड़ा	मुझे मजबूरी में यह सब करना **पड़ा**।
पढ़ा	क्या तुमने आज का अखबार **पढ़ा**?
(घ) दिन	**दिन** निकलते ही चारों तरफ प्रकाश फैल गया।
दीन	वह भिखारी बड़ी ही **दीन** अवस्था में था।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

तितलियों अनोखा संसार

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) तितली सबका मन मोह लेती है।

(ख) इल्ली का जन्म पत्ते पर चिपके अंडे में से होता है।

(ग) तितली बिना रुके 1000 किलोमीटर तक की यात्रा कर सकती है।

(घ) सबसे बड़े आकार की तितली का नाम है– 'क्वीन एलेक्जेंड्रा'।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

IV. शब्द से पहले 'सु' लगा देने से उस शब्द का अर्थ थोड़ा बदल जाता है। 'सु' अर्थ सुंदर या अच्छा। सुकोमल का अर्थ हुआ जो बहुत सुंदर कोमलता लिए हो। 'सु' लगाकर छह अन्य शब्द बनाओ–

उत्तर– सुस्वागतम् सुसंगति

सुस्वाद सुविचार

सुमधुर सुपुत्र

V. उपयुक्त कारक चिह्न (परसर्ग) लिखकर वाक्य पूरे करो–

उत्तर– (क) पंखों पर चित्रकारी **के** एक से बढ़कर एक नमूने अंकित होते हैं।

(ख) तितली **को** अंग्रेजी **में** बटर फ्लाई कहते हैं।

(ग) इस **की** उड़ने **की** गति किसी मोटरकार **से** कम नहीं होती।

(घ) कोकून **से** निकल पड़ती है तितली।

(ङ) पत्तों **को** खा-खा कर यह बड़ी होती है।

VI. उचित क्रिया शब्दों द्वारा वाक्य पूरे करो–

उत्तर– (क) अपने एंटिना गड़ाकर तितली फूलों का रस **चूसती है**।

(ख) तितली धीरे-धीरे अपने पंख **खोलती है** और फिर **उड़ जाती है**।

(ग) इल्ली अपने चारों ओर कोकून **बुनना शुरु कर देती है**।

(घ) कुछ सप्ताह बाद यह कोकून **फट जाता है**।

(ङ) तितली फूलों पर **मँडराती है**।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) तितली को उसके बाल्यकाल में कैटरपिलर कहा जाता है?

(ख) इल्ली का जन्म पत्ते पर चिपके अंडे में से होता है।

(ग) तितली का शरीर बहुत कोमल होता है।

(घ) तितली को अंग्रेजी में बटर फ्लाई कहने का कारण यह है कि यह देखा गया है कि जहाँ मक्खन के अवशेष फेंके जाते थे, वहाँ ये मँडराती थी।

(ङ) सबसे बड़े आकार की तितली 12 से 14 इंच तक होती है। इसका नाम है- 'क्वीन एलेक्जेंड्रा'।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) इल्ली का जन्म **पत्ते** पर चिपके **अंडे** में से होता है।

(ख) तितली का शरीर बहुत **कोमल** होता है।

(ग) तितलियों को अधिक **ठंड** पसंद नहीं है।

(घ) है न तितली प्रकृति का अजब **करिश्मा**।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

काकी

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) श्याामू ने सवेरे देखा कि घर में कुहराम मचा हुआ है।
(ख) श्यामू ने आकाश में पतंग उड़ती हुई देखी।
(ग) विश्वेश्वर एक बच्चे की सोच को समझकर जड़बुद्धि होकर खड़े रह गए।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. दिए गए प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) श्यामू के (ख) काकी के

IV. निम्नलिखित शब्दों में अर्थ द्वारा अंतर स्पष्ट करो–

शोक	**दुख**	शौक	**आदत**
बड़े	**आकार में बड़ा, उम्र में बड़ा**	बढ़े	**बढ़ना, आकार अधिक होना।**
सो	**सोना**	सौ	**संख्या**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) प्रात:काल नींद खुलने पर श्यामू ने देखा कि घर में कुहराम मचा हुआ है।
(ख) श्यामू वह पतंग काकी के पास भेजना चाहता था क्योंकि उसे लगता था कि पतंग की डोर पकड़कर काकी नीचे उतर आएँगी।
(ग) श्यामू ने उपद्रव इसलिए किया क्योंकि लोग उसकी माँ को उठाकर श्मशान ले जा रहे थे।
(घ) श्यामू ने भोला से दो रस्सियाँ मँगवाई क्योंकि उसे लगता था कि काकी के उतरने के लिए एक रस्सी छोटी पड़ जाएगी।
(ङ) आसमान से उड़ती पतंग को देखकर उसका हृदय ये सोचकर खिल उठा कि इसी पतंग की डोर के सहारे मेरी काकी आसमान से नीचे उतर आएँगी।

II. निम्नलिखि शब्दों से वाक्य बनाओ–

उत्तर– (क) **रोते-रोते** श्यामू की आँखें सूज गई थीं।
(ख) श्यामू **बैठा-बैठा** सोच रहा था।
(ग) श्यामू को अपने **आस-पास** कुछ भी दिखाई नहीं दिया।
(घ) श्यामू ने **यहाँ-वहाँ** देखकर विश्वेश्वर के कोट की जेब में हाथ डाल दिया।

III. भाव स्पष्ट कीजिये–

उत्तर– (क) इस पंक्ति का आशय यह है कि एक डाँट पड़ते ही भोला ने विश्वेश्वर को सारी सच्चाई बता दी।
(ख) उपर्युक्त पंक्ति का आशय यह है कि श्यामू ने कोट की जेब से एक चवन्नी निकाली और तुरंत वहाँ से भाग गया।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

9 धर्म की विजय

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) दुष्यंत पुरुवंश के एक अत्यंत प्रतापी राजा थे।
(ख) राजा दुष्यंत के पुत्र भरत के नाम पर ही हमारे देश का नाम भारत पड़ा।
(ग) दुर्योधन स्वभाव से उद्दंड और महत्त्वाकांक्षी था।
(घ) अर्जुन ने मछली की आँख को बेधा।
(ङ) अज्ञातवास पांडवों को सुनाया गया।
(च) महाभारत का युद्ध कौरवों और पांडवों के बीच कुरुक्षेत्र के मैदान में लड़ा गया था।
(छ) अंत में हस्तिनापुर का राजा युधिष्ठिर को बनाया गया।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) शकुन्तला के साथ (ख) युधिष्ठिर (ग) पांचाल देश की
(घ) अर्जुन (ङ) कुरुक्षेत्र में

IV. पढ़ो और समझो–

उत्तर–

कुरु वंश में उत्पन्न	—	**कौरव**	जन्म से अंधा	—	**जन्मांध**
स्वयं वर चुनना	—	**स्वयंवर**	भरत से संबंधित	—	**भारत**
द्रुपद की बेटी	—	**द्रौपदी**	पांडु की संतान	—	**पांडव**
राजा का वंश	—	**राजवंश**	मद्र की राजकुमारी	—	**माद्री**

V. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो–

उत्तर–

ज्येष्ठ	—	**कनिष्ठ**	आज्ञा	—	**निवेदन**
उद्दंड	—	**शांत**	पवित्र	—	**अपवित्र**
बलवान	—	**निर्बल**	मान	—	**अपमान**

VI. जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, उन्हें क्रिया-विशेषण कहते हैं। निम्नलिखित वाक्यों में से क्रिया-विशेषण छाँटकर लिखो–

उत्तर– (क) धीरे-धीरे (ख) अचानक (ग) यहाँ
(घ) कुछ (ङ) जितना, उतना

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) धृतराष्ट्र के सौ पुत्र थे जो कौरव कहलाते थे।
(ख) दुर्योधन पांडवों के बल और पराक्रम को देखकर उनसे ईर्ष्या व द्वेष रखता था।
(ग) स्वयंवर में मछली की आँख को बेधने वाला अर्जुन था।
(घ) दुर्योधन ने युधिष्ठिर को चौपड़ खेलने के लिए ललकारा।
(ङ) महाभारत का युद्ध कुरुक्षेत्र के मैदान में हुआ और अठारह दिनों तक चलता रहा।
(च) महाभारत संसार का सबसे बड़ा ग्रंथ है।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) भरत के वंश में **हस्तिन्** नाम के प्रसिद्ध राजा हुए।

(ख) भीम अत्यंत **बलशाली** थे।

(ग) प्रतियोगिता बहुत **कठिन** थी।

(घ) द्रौपदी ने अर्जुन के गले में **जयमाला** डाल दी।

(ङ) युद्ध में कौरवों की **हार** और पांडवों की **जीत** हुई।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समाने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✗ (ङ) ✓ (च) ✓

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

झाँसी की रानी

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) भृकुटी तानने से मतलब क्रोधित हो जाने से है।

(ख) भारत की आजादी अंग्रेजों ने छीन ली थी।

(ग) भारतीय आजादी पाने के लिए फिरंगियों को दूर भगाना चाहते थे।

(घ) सन सत्तावन की लड़ाई सन सत्तावन में लड़ी गई थी।

(ङ) इस लड़ाई में रानी लक्ष्मीबाई, मंगलपांडे, तात्या टोपे आदि क्रांतिकारियों ने भाग लिया था।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) बूढ़े भारत में (ख) लक्ष्मीबाई (ग) शिवाजी की (घ) झाँसी की

IV. कविता में आए भाववाचक तथा जातिवाचक संज्ञा शब्द लिखो–

उत्तर– भाववाचक संज्ञा — **कीमती, जवानी, आजादी, वीरता, शिकार**

जातिवाचक संज्ञा — **हरबोले, बुंदेले, फिरंगी, मराठे**

V. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बदलकर लिखो–

उत्तर– मरदानी	**मरदाना**	बूढ़ा	**बूढ़ी**
रानी	**राजा**	लड़ी	**लड़ा**
वीर	**वीरांगना**	पुरानी	**पुराना**

VI. निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलकर लिखो–

उत्तर– गाथाएँ	**गाथा**	कहानी	**कहानियाँ**	मराठे	**मराठा**
बुंदेले	**बुंदेला**	राजवंशों	**राजवंश**	तलवार	**तलवारें**।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) महारानी लक्ष्मीबाई के समय भारत की स्थिति गुलामी की थी।

(ख) राजवंशों ने फिरंगी को दूर करने की ठानी थी।

(ग) कवयित्री के अनुसार झाँसी की रानी की कथा बुंदेले हरबोलों के मुख से सुनी जाती थी।

(घ) बचपन में रानी के प्रिय खेल नकली युद्ध व्यूह की रचना, शिकार खेलना, सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना आदि थे।

(ङ) रानी की तलवार के प्रहारों को देखकर मराठे पुलकित होते थे।

(च) रानी को वीर शिवाजी की गाथाएँ जबानी याद थीं।

II. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समाने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

III. कविता की पंक्तियाँ पूर्ण करो–

उत्तर– चमक उठी **सन सत्तावान में**,
वह तलवार पुरानी थी
बुंदेले **हरबोलों के मुँह**,
हमने **सुनी कहानी** थी।
खूब लड़ी मरदानी वह तो,
झाँसी **वाली रानी** थी।

IV. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ लिखो और वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– भृकुटी तानना — क्रोधित होना
संजय के आते ही सोहन ने भृकुटी तान ली।

पुलकित होना — प्रसन्न होना
अचानक अपने मित्र को सामने खड़ा देखकर मेरा रोम-रोम पुलकित हो उठा।

मन में ठानना — दृढ निश्चय कर लेना।
आज मैंने मन में ठान लिया है कि मैं आज बाहर घूमने जरूर जाऊँगा

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. झाँसी की रानी की वीरता पर पाँच वाक्य लिखो–

उत्तर– 1. झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई बड़ी वीरता के साथ अंग्रेजों से लड़ी।
2. लक्ष्मीबाई को बचपन में नकली युद्ध व्यूह रचना करना, शिकार खेलना, दुर्ग तोड़ना आदि अच्छा लगता था।
3. लक्ष्मीबाई ने अपने पुत्र को पीठ पर बाँधकर अंग्रेजों के साथ लड़ाई की।
4. अंग्रेजों के साथ लड़ते-लड़ते अंत में वह अकेली रह गई थी और अंत में वह वीरगति को प्राप्त हो गई।

II. सुभद्राकुमारी चौहान द्वारा रचित अन्य कविताओं को पढ़ो और उन्हें कंठस्थ करके बालसभा में सुनाओ–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. 1857 की क्रांति से संबंधित चित्रों की एक प्रदर्शनी अपनी कक्षा में लगाओ–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

सबक

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) शिवाजी मुगलों से युद्ध में पराजित हुए।

(ख) शिवाजी ने रात में एक बूढ़ी औरत के झोंपड़े में विश्राम किया।

(ग) शिवाजी को विजयी होने का आशीर्वाद बूढ़ी औरत ने दिया।

(घ) शिवाजी को छत्रपति शिवाजी के नाम से भी जाना जाता है।
(ङ) आगे चलकर शिवाजी ने मराठा साम्राज्य की स्थापना की।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) मुगलों के (ख) गरीब मुसाफिर (ग) मकई
(घ) नुकसान (ङ) विजयी होने का आशीर्वाद

IV. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखो–

उत्तर–	ठंडा	**गरम**	सुबह	**शाम**
	दिन	**रात**	नया	**पुराना**
	सुख	**दुख**	अच्छाई	**बुराई**

V. निम्नलिखित शब्दों के समान अर्थ वाले शब्द लिखो–

उत्तर–	रात	**रात्री**	क्षुधा	**भूख**
	शाम	**संध्या**	गृह	**घर**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) हाथ जल जाने के कारण शिवाजी के मुँह से कराह निकली।
(ख) बूढ़ी महिला की बात सुनकर शिवाजी इसलिए हैरान थे क्योंकि अनजाने में उन्हें बहुमूल्य सीख मिल गई थी।
(ग) बूढ़ी महिला ने मुसाफिर को शिवाजी की इस कमजोरी से अवगत कराया कि शिवाजी छोटे-छोटे किलों को छोड़कर बड़े किलों पर कब्जा करने में लगे रहते हैं।
(घ) महिला ने शिवाजी की उँगलियों के जलने का कारण जल्दबाजी बताया।
(ङ) विदाई लेते समय शिवाजी ने बूढ़ी महिला को यह विश्वास दिलाया कि आज से मैं आपकी बात का ध्यान रखूँगा और किसी भी कार्य में जल्दबाजी नहीं करूँगा।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) मैं अपने **जीवनकाल** में संपूर्ण **साम्राज्य** पर अधिकार स्थापित करते देख पाती।
(ख) हमें अलग-अलग रहकर **ताकत इकट्ठी** करनी चाहिए।
(ग) **क्षुधा** शांत करने के लिए भोजन की आवश्यकता थी।
(घ) उन्हें **चरणबद्ध** तरीके से पहले छोटे किलों पर कब्जा करना चाहिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के सामने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✗ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

IV. शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– काश में अपने जीवनकाल में उसे संपूर्ण **साम्राज्य** पर अधिकार करते हुए देख पाती।
उन्हें **चरणबद्ध** तरीके से पहले छोटे-छोटे राज्यों पर कब्जा करना चाहिए।
हमें एकजुट होकर ताकत **इकट्ठी** करनी है।
शिवाजी बोले-मैं एक गरीब **मुसाफिर** हूँ।
बूढ़ी ने शिवाजी को विजयी होने का **आशीर्वाद** दिया।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर- (क) गुरु नानक देव अपने शिष्यों के साथ घूमते-घूमते एक गाँव में पहुँचे।
(ख) गुरु नानक देव का स्वागत-सत्कार पहले गाँव वालों ने किया।
(ग) पहले ग्रामवासियों ने गुरुनानक देव से आशीर्वाद देने की विनती की।
(घ) दूसरे गाँव के लोग उद्दंड स्वभाव के थे।
(ङ) दूसरे गाँव के लोगों को गुरु नानक देव जी ने आशीर्वाद दिया कि ''सभी यहीं आबाद रहो''

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) गाँव (ख) ग्रामवासी (ग) दूसरे (घ) उत्तम

IV. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

उत्तर- गुरु	**लघु**	तिरस्कार	**सम्मान**
सज्जन	**दुर्जन**	आदान	**प्रदान**
उद्दंड	**शांत**	आशीर्वाद	**श्राप**
कटु	**कोमल**	विनती	**आदेश**

V. पढ़िए, समझिए और बोलिए-

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो-

उत्तर- (क) पहले वाले ग्रामवासियों ने गुरु नानक देव का स्वागत-सत्कार किया।
(ख) गुरु नानक देव ने रात्रि विश्राम दूसरे गाँव में किया।
(ग) गुरु नानक देव ने दूसरे गाँव के लोगों को आशीर्वाद दिया 'सभी यहीं आबाद रहो'।
(घ) गुरू नानक देव ने आशीर्वाद के बारे में बताया- 'सज्जन उजड़ेंगे तो वे जहाँ भी जाएँगे अपनी सज्जनता के बल पर उत्तम वातावरण बना लेंगे पर दुर्जनों का तो एक ही जगह बसे रहना ठीक है।
(ङ) गुरु नानक देव के शिष्य उनके विचित्र आशीर्वाद देने पर आश्चर्यचकित हो गए।
(च) गुरु नानक देव ने आगे की सोचकर दोनों गाँवों के लोगों को आशीर्वाद दिया।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उत्तर- (क) ग्रामवासियों ने उनका बड़ा **स्वागत-सत्कार** किया।
(ख) उन्होंने उनके **उपदेशों** को ध्यान से सुना।
(ग) ग्रामवासियों ने गुरु नानक देव से **आशीर्वाद** प्रदान करने की **विनती** की।
(घ) दूसरे गाँव के लोगों ने गुरु नानक देव का बहुत **तिरस्कार** किया।
(ङ) गुरु नानक देव की बात सुनकर शिष्यों की **उलझन** दूर हो गई।

III. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर- गाँववालों ने उनका खूब **स्वागत-सत्कार** किया।
हमें बड़े बुजुर्गों का **आशीर्वाद** लेना चाहिए।
दीपू बहुत **उद्दंड** बच्चा है।
हमें दूसरों का **तिरस्कार** नहीं करना चाहिए।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

13 हेलन केलर

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) हेलन को जब ज्वर चढ़ा वह मात्र डेढ़ वर्ष की थी।

(ख) देवदूत बनकर एक अध्यापिका एनी सलिवान आई।

(ग) बारह वर्ष की आयु तक वह बिना अटके बोलने लगी थी।

(घ) ब्रेल लिपि में उसने अनेक ग्रंथ लिखे। जिनमें से 'मेरी जीवन कहानी' और 'मेरा धर्म' पूरे विश्व में सबसे अधिक प्रसिद्ध हैं।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) सुनने की (ख) अध्यापिका (ग) हेलन केलर

(घ) ब्रेल लिपि का (ङ) वाटर (घ) दृढ़ इच्छा शक्ति का

IV. एक शब्द में कुछ शब्दों को जोड़कर या उनके पहले अथवा बाद में अक्षर जोड़कर नए शब्द बनाते हैं। उदाहरण देखिए और दिए गए शब्दों से नए शब्द बनाइए–

उत्तर–	(क) गंधहीन	सुगंध	गंधक
	(ख) प्रसन्नता	अप्रसन्न	प्रसन्नतापूर्वक
	(ग) बुद्धिहीन	हत्बुद्धि	बुद्धिमत्ता
	(घ) धर्मपूर्वक	अधर्म	धर्मात्मा
	(ङ) सुंदरता	असुंदर	सुंदरतम

V. निम्नलिखित अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए–

उत्तर– (क) विकलांग (ख) दृष्टिहीन (ग) असहाय

(घ) दृढ़-निश्चयी (ङ) आत्म-निर्भर

VI. पढ़िए, समझिए सीखिए और लिखिए–

उत्तर– भारत की राजधानी दिल्ली 'देश के दिल' के समान है। दिल्ली आज ही भारत की राजधानी नहीं बनी, बल्कि पांडवों के काल से ही यह इस गौरव से सुशोभित हो रही है। समय-समय पर इसका रूप-रंग तथा नाम बदलता रहा है। महाभारत काल में यह नगरी पांडवों की राजधानी 'इंद्रप्रस्थ' के नाम से विख्यात थी, अलाउद्दीन के युग में इसका नाम 'सिरी' और बाद में तुगलकों के युग में 'तुगलकाबाद' रखा गया।

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

उत्तर– (क) इस ज्वर ने उसकी नेत्रों की ज्योति छीन ली, सुनने की शक्ति नष्ट कर दी और उसकी वाणी भी छिन गई।

(ख) हेलन के माता-पिता उसके बारे में सोचते थे, क्या होगा हमारी बच्ची का? लंबी जिंदगी कैसे जी पाएगी? हम कब तक सहारा दे पाएँगे?

(ग) एनी हेलन को माता-पिता के सुरक्षा घेरे से दूर एक अलग घर में ले गई जिससे वह आत्म-निर्भर बन सके।

(घ) उसने कई भाषाएँ सीखीं। तैरना, घुड़सवारी और नाव चलाना सीखा, उसने शतरंज और ताश में भी महारत हासिल की।

(ङ) जीवन में आई बाधाओं के बारे में उसके विचार थे- ''ईश्वर एक द्वार बंद करता है, तो दूसरा खोलता भी है लेकिन हम बंद द्वार की ओर इतनी देर तक ताकते रहते हैं कि जो द्वार हमारे लिए खोला गया है, उसे देख ही नहीं पाते।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उत्तर- (क) माता-पिता की चिंता का कोई **पारावार** न रहा।

(ख) एनी ने अत्यंत धैर्यपूर्वक **हेलन** को बदला और सीखने-सिखाने का सिलसिला शुरू हो गया।

(ग) हर **बाधा** का उस साहसी महिला ने एक चुनौती समझकर सामना किया।

(घ) **ब्रेल** लिपि में उसने अनेक ग्रंथ लिखे।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समाने (✗) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✓

IV. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए-

उत्तर- आत्मनिर्भर हेलन को **आत्मनिर्भर** बनाने के लिए उसकी अध्यापिका एनी सालिवान ने बहुत प्रयास किया।

प्रोत्साहन **प्रोत्साहन** पाकर हेलन बोलने का प्रयत्न करने लगी।

बाधा हर **बाधा** का इस साहसी महिला ने चुनौती समझकर सामना किया।

प्रेरणा-स्रोत हेलन सबकी **प्रेरणा-स्रोत** बन गई थी।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर- स्वयं कीजिए।

पिता का पत्र

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

उत्तर- (क) नेहरू जी ने अपनी बेटी इन्दिरा को पत्र लिखा।

(ख) नहीं, 'कोश' का अर्थ शब्द भंडार तथा 'कोष' का अर्थ खजाना होता है।

(ग) समझदार व्यक्ति विशेष के लिए प्रयोग होता है जबकि समझदारी एक व्यवहार है।

(घ) एक भला आदमी जो स्वार्थी नहीं है और सबकी भलाई के लिए दूसरों के साथ मिलकर कार्य करता है तो वह सभ्य है।

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) बेटी इंदिरा को (ख) जंगलीपन (ग) ठंडे देश वाले

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो-

उत्तर- (क) नेहरू जी इस पत्र के माध्यम से अपनी पुत्री को सभ्यता के बारे में बताना चाहते थे।

(ख) आदमी की जंगली दशा को जब वह बिलकुल जानवरों का सा होता है बर्बरता कहते हैं। सभ्यता बिलकुल उसकी उल्टी चीज है, हम बर्बरता से जितनी दूर जाते हैं उतने ही सभ्य हो जाते हैं।

(ग) यूरोप, अफ्रीका, जर्मन, पेरिस, फ्रांस, इंग्लैंड, इटली।

(घ) हमें सबकी भलाई के लिए एक साथ मिलकर काम करना चाहिए क्यों कि यही सभ्यता की पहचान है।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) हम बर्बरता से जितना दूर जाते हैं उतना ही **सभ्य** होते जाते हैं।
(ख) यूरोप के बहुत से आदमी समझते हैं कि हम ही सभ्य हैं और एशिया वाले **जंगली** हैं।
(ग) कपड़े तो **जलवायु** पर निर्भर करते हैं।
(घ) सबकी भलाई के लिए एक साथ मिलकर काम करना सबसे **अच्छी** बात है।

III. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

उत्तर– केवल कपड़े पहनने से व्यक्ति **सभ्य** नहीं बनता है।
निहत्था व्यक्ति कमजोर नहीं होता है।
शिक्षक 'परिचय सम्मेलन' में बहुत सारे लोग **सम्मिलित** हुए।
असभ्यता केवल कपड़ों से दृष्टिगोचर नहीं होती है।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

होनहार बिरवान के होत चीकने पात

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) ग्वाले राजा-राजा का खेल खेल रहे थे।
(ख) बालक बने राजा ने सेनापति को आज्ञा दी– "मंत्री जी! इसे हमारी गायों में से एक अलब्याई गाय दे दी जाए।
(ग) मराठा राज्य की नींव छत्रपति शिवाजी ने डाली।
(घ) महाराजा रणजीत सिंह की आँख पर पत्थर एक बूढ़ी औरत ने मारा।
(ङ) असाधारण लोगों के विषय में यह कहावत सिद्ध होती है— "होनहार बिरवान के होत चीकने पात"।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समाने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✗ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

IV. रेखा खींचकर सही मेल मिलाओ–

उत्तर–

मौर्य साम्राज्य	सम्राट चंद्रगुप्त
छत्रपति शिवाजी	मराठा राज्य के संस्थापक
गौतम बुद्ध	अहिंसक स्वभाव
भगत सिंह	विदेशी शासन के घोर विरोधी
गुरु नानक देव	सत्संगी

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) आचार्य चाणक्य ने बालक के नेतृत्व क्षमता, बुद्धिमत्ता तथा निर्णय क्षमता आदि गुणों को पहचाना।
(ख) बादशाह ने बालक शिवाजी को इसलिए छोड़ दिया क्योंकि उसने राजाज्ञा का पालन किया था।
(ग) महाराजा रणजीत सिंह ने बुढ़िया को इसलिए क्षमा कर दिया क्योंकि बुढ़िया और उसका पोता तीन दिन से भूखे थे और पत्थर मारने में बुढ़िया की कोई गलती नहीं थी।
(घ) श्रीकृष्ण ने बचपन में ही अपनी महानता का, संगठन क्षमता का, नेतृत्व आदि गुणों का परिचय दे दिया था।
(ङ) भगत सिंह अपने देश से अंग्रेजों को इसलिए भगाना चाहते थे क्योंकि वे अपने देश में विदेशी शासन के घोर विरोधी थे।
(च) गाँधी जी का लगाव बचपन से ही सत्य और अहिंसा के प्रति था।
(छ) इस कहावत से यह सिद्ध होता है कि प्रतिभाशाली लोगों की प्रतिभा बचपन से ही दिखने लगती है जो उन्हें साधारण लोगों से अलग करती है।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) महाराजा रणजीत सिंह को देखकर बुढ़िया की तो **जान** ही निकल गई।
(ख) पेड़ पत्थर मारने पर **फल** देता है तो मैं बुढ़िया को **सजा** कैसे दे सकता हूँ।
(ग) श्रीकृष्ण ने अपने गुणों का **परिचय** तो **बचपन** में ही दे दिया था।
(घ) दयानंद ने **मूर्ति** पूजा का **विरोध** किया।

III. निम्नलिखित शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करो–

उत्तर– कूड़े के ढेर पर एक **नवजात** शिशु पड़ा हुआ था।
चाणक्य ने बालक के **नेतृत्व** गुण को पहचान लिया था।
राजाज्ञा के अनुसार व्यक्ति को गाय दे दी गई।
चन्द्रगुप्त मौर्य और चाणक्य ने मिलकर एक महान शक्तिशाली साम्राज्य की **स्थापना** की।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

दोहा दशक

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) कबीरदास ने ईश्वर और गुरु में गुरु को श्रेष्ठ बताया है।
(ख) केवल दिखावे के लिए किए गए भगवत् भजन के लिए कबीरदास जी मना करते हैं।
(ग) सुई और तलवार के विषय में रहीमदास जी कहते हैं कि जहाँ सुई की आवश्यकता होती है वहाँ तलवार कुछ नहीं कर सकती।
(घ) यहाँ पर यह बताया गया है कि एक को मनाने से सब मान जाते हैं।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) उसकी जाति (ख) पेड़ (ग) साँप

IV. रेखा खींचकर सही मेल मिलाओ–

उत्तर–

बापुरौ	**दीन, बेचारा**	मिताई	**मित्रता**
दोऊ	**दोनों**	सकत	**सकता**
जोग	**संयोग**	सुमिरन	**याद करना**
काके	**किसके**	आछे	**अच्छे**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) कबीरदास ने गुरु को श्रेठ इसलिए बताया है क्योंकि गुरु ने ही भगवान तक जाने का मार्ग बताया है।
(ख) निंदा करने वाले को अपने निकट रखने से यह लाभ होता है उसके द्वारा निंदा करने से बिना साबुन और पानी के हमारा स्वभाव निर्मल हो जाता है।
(ग) तीसरे दोहे में कबीरदास जी कहते है कि निंदा या बुराई करने वाले को हमेशा अपने पास रखना चाहिए क्योंकि उसके निंदा करने से बिना साबुन और पानी के हमारा स्वभाव निर्मल हो जाता है।
(घ) रहीमदास जी कहते हैं कि एक को मनाने से सब मान जाते हैं। इसलिए हमें जड़ को ही सींचना चाहिए क्योंकि जड़ को सींचने से उस पर फल-फूल तो अपने आप आ जाते हैं।
(ङ) रहीम दास के अनुसार बड़े लोग वे होते हैं, जो गरीबों पर दया करते हैं।

II. निम्नलिखित के भावार्थ लिखिए –

उत्तर– (क) इस पंक्ति का अर्थ है कि हमें बुराई करने वाले को अपने साथ अपने घर में ही रखना चाहिए।
(ख) उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ है कि साधु से उसकी जाति नहीं पूछनी चाहिए बल्कि उससे ज्ञान ले लेना चाहिए।
(ग) उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ है कि एक को मनाने से सब मान जाते हैं।

(घ) उपर्युक्त पंक्ति का अर्थ है अच्छे दिन चले गए अर्थात् सुख के दिनों में भगवान से प्रेम नहीं किया।
(ङ) उपर्युक्त पंक्ति में बताया गया है कि जो गरीबों का कल्याण करते हैं वे ही बड़े लोग होते हैं।

III. अंतर स्पष्ट कीजिए-

उत्तर- (क) हरि — भगवान, प्रभु (ख) जाती — जाना
हरी — रंग जाति — जाँत-पाँत, वर्ग विशेष के सन्दर्भ में।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर- स्वयं कीजिए।

लाभदायक पेड़

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर-

(क) गुरु जी ने कक्षा से निकलकर देखा कि वैभव और उसके मित्र पेड़ पर चढ़े हुए थे और पेड़ की डालियाँ, पत्तियाँ और फल तोड़ रहे थे।
(ख) गुरु जी ने वैभव के कंधे पर हाथ रखकर कहा- ''वैभव तुमने पेड़ के मालिक से पूछे बिना फल तोड़े और पत्तियाँ- डालियाँ भी तोड़ डालीं। यह बहुत बुरी बात है।
(ग) पेड़ो द्वारा हम गोंद, छाल, कीमती लकड़ी, जलाऊ लकड़ी, दवाइयाँ आदि प्राप्त करते हैं।
(घ) पेड़ हमारे वातावारण को सुखद और सुंदर बनाते हैं।

II. पढ़ना सीखो-

उत्तर- स्वयं कीजिए।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समाने (✗) का निशान लगाओ-

उत्तर- (क) ✗ (ख) ✗ (ग) ✓ (घ) ✓ (ङ) ✓

IV. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखो-

उत्तर-

समझदार	**नासमझ**	माफ	**दंड**
लाभदायक	**हानिकारक**	मित्र	**शत्रु**
सुखद	**दुखद**	उपजाऊ	**अनुपजाऊ**
कीमती	**तुच्छ**	परोपकार	पर अपकार

V. सही मेल मिलाओ-

उत्तर-

पेड़ होते हैं	परोपकारी
पेड़ों द्वारा प्राप्त होती हैं	बहुत-सी चीज़ें
हरा-भरा	वातावरण
पेड़ों की अंधाधुंध कटाई	वर्षा का कम होना
वन-महोत्सव	वर्षा ऋतु में मनाया जाने वाला उत्सव

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो-

उत्तर- (क) घंटा बजने के बाद भी वैभव कक्षा में इसलिए नहीं आया क्योंकि वह पेड़ पर चढ़ा हुआ था।
(ख) गुरु जी ने बच्चों को पेड़ से नीचे उतरने के लिए कहा।
(ग) पेड़ों से हम गोंद, छाल, कीमती लकड़ी, जलाऊ लकड़ी, दवाइयाँ आदि प्राप्त करते हैं।
(घ) जहाँ पेड़ कम होते हैं वहाँ बाढ़ की संभावना अधिक होती है।
(ङ) पेड़ों की अंधाधुंध कटाई से देश के कुछ भागों में वर्षा कम होने लगी है, सूखा पड़ने लगा है तथा कहीं बाढ़ आ जाती है।
(च) वन-महोत्सव में पेड़-पौधे इत्यादि लगाए जाते हैं तथा वातावरण को हरा-भरा बनाने पर जोर दिया जाता है।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो-

उत्तर- (क) वैभव के कई **सहपाठी** भी कक्षा में नहीं आए।
(ख) पेड़ अपने फल **स्वयं** नहीं खाते।
(ग) पेड़ **वातावरण** को शुद्ध बनाते हैं।

(घ) पेड़ हमारे सच्चे **मित्र** हैं।
(ङ) पेड़ वातावरण को **सुखद** और **सुंदर** बनाते हैं।

III. निम्नलिखित वाक्यों के वचन बदलकर लिखो–

उत्तर– (क) अध्यापक ने बच्चों को पढ़ाया। (ख) शेर ने हिरनों को घेर लिया।
(ग) लड़कियाँ खाना खा रही हैं। (घ) किसान खेतों में बीज बोते हैं।
(ङ) हम दूध पी रहे हैं।

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।

समुद्री जीव

अभ्यास

प्रथम भाग: विकासात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. मौखिक प्रश्नोत्तर–

उत्तर– (क) समुद्री जीवों का जीवन समुद्र में व्यतीत होता है।
(ख) जहाज जिस समुद्री मार्ग से गुजरता उस मार्ग में अपने अंडे-बच्चे छोड़ दिया करते थे। इस प्रकार उन स्थानों में भी ऐसे जीव पैदा हो जाते थे, जहाँ पर वे कभी थे ही नहीं।
(ग) व्यापारिक जहाज के निचले कक्षों में ही व्यापार का सामान भरा रहता था। इस भारी सामान के कारण ही जहाज समुद्र में बिना डगमगाए यात्रा करता था।
(घ) उत्तरी अमेरिका के लिए जो चीज आज सिरदर्द है, वह है जेब्रा सीपी।
(ङ) आज प्रत्येक देश की सरकार के सामने समुद्र के विषैला होने की समस्या है।

II. पढ़ना सीखो–

उत्तर– स्वयं कीजिए।

III. निम्नलिखित प्रश्नों के सही उत्तर पर सही (✓) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) मालवाहक समुद्री जहाज (ख) उत्तरी अमेरिका (ग) फ्रांस में

IV. निम्नलिखित शब्दों के लिंग बताइए–

उत्तर– अंडा	**पुल्लिग**	नाव	**स्त्रीलिंग**	जहाज	**पुल्लिग**
जेब्रा	**पुल्लिग**	घोंघा	**पुल्लिग**	सीपी	**स्त्रीलिंग**

V. भाववाचक संज्ञा बनाइए –

उत्तर– शत्रु	**शत्रुता**	गंभीर	**गंभीरता**	ऊँचा	**ऊँचाई**
मित्र	**मित्रता**	गहरा	**गहराई**	शीघ्र	**शीघ्रता**

द्वितीय भाग: रचनात्मक मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखो–

उत्तर– (क) समुद्र का जल विषैला हो जाने के कारण समुद्री जीवों का जीवन खतरे में पड़ गया है।
(ख) आरंभिक समय में समुद्री जीव मालवाहक जहाजों के साथ जाकर अपने लिए नया स्थान खोज लिया करते थे।
(ग) सीपियों के समुद्र में पनपने के कारण समुद्री जीवन प्रभावित हुआ है।
(घ) स्लीपर घोंघा समुद्र के कई जीवों व वनस्पतियों को समाप्त कर डालता है। इस तरह यह समुद्री जीवन को प्रभावित करता है।

II. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो–

उत्तर– (क) समुद्र का जल कई स्थानों पर **विषैला** हो चुका है।
(ख) तेज़ तूफानी हवाएँ इसे **पलट** भी सकती थीं।
(ग) नाविक जहाज के पेंदे में **समुद्री पानी** भर देते थे।
(घ) अमेरिका से ही **फ्रांस** पहुँचा है एक **स्लीपर** घोंघा।

III. सही कथन के सामने (✓) और गलत कथन के समाने (✗) का निशान लगाओ–

उत्तर– (क) ✓ (ख) ✓ (ग) ✗ (घ) ✓ (ङ) ✗

तृतीय भाग: विविध मूल्यांकन (सी०सी०ई० पैटर्न)

उत्तर– स्वयं कीजिए।